पेज थ्री देहरादून

दिल्ली के लिए रवाना होते हुए यात्री।

हमारा दून

देहरादून मंगलवार 2 जून 2020 पेज 8

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमितों की संख्या कई गुणा बढ़ी

कोरोना कहर

सोमवार को आए कोरोना के 23 नए मामले | कुल संक्रमितों की संख्या पहुंची 932

संवाददाता

देहरादून। कोरोना संक्रमण के लिहाज से उत्तराखंड में दिन–ब–दिन स्थिति बिगड़ रही है। पखवाड़े भर से हर दिन मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार को दोपहर दो बजे तक सूबे में कोरोना के 23 नए मामले आए। प्रदेश में अब तक कोरोना के 932 मामले सामने आ चुके हैं। जिनमें 200 स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना संक्रमित छह मरीजों की मौत भी हो चुकी है, जबकि तीन मरीज राज्य से बाहर जा चुके हैं।

पत्नी के बाद उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, उनके परिवार व स्टाफ के 22 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें महाराज, उनका एक बेटा, दोनों बहुएं व चार साल के पोते के अलावा स्टाफ के 17 लोग शामिल हैं। बड़े बेटे की

सतपाल महाराज की गली सील करते हुए।

दोबारा से कोरोना जांच कराई जाएगी। महाराज व उनके परिवार के सदस्यों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। महाराज के स्टाफ के 18 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

सील करनी थी म्युनिसिपल रोड, सीलिंग सर्कुलर रोड पर:

कोरोना संक्रमण का वास्ता वीआइपी या आम आदमी से नहीं है, मगर सतपाल महाराज व उनके स्वजनों के संक्रमण को लेकर सिस्टम का नजरिया कोरोना की रोकथाम के नियमों को धता बता रहा है। पहले होम क्वारंटाइन का पर्चा महाराज के भवन के पिछले गेट (सर्कुलर रोड) पर चस्पा किया गया था और अब सीलिंग के आदेश भी इसी सड़क के दिए गए हैं।

तब जिला प्रशासन का तर्क था कि दिल्ली से आए लोग इसी हिस्से पर क्वारंटाइन हैं और सतपाल महाराज व उनका परिवार म्युनिसिपल रोड वाले हिस्से से आवागमन करता है। अब जब अमृता रावत के बाद सतपाल महाराज समेत उनके परिवार व कर्मचारियों समेत 22 लोग पॉजिटिव आ चुके हैं, तब भी स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। पिछले हिस्से में बाहर से आए लोग तो होम क्वारंटाइन थे, जबकि बड़ी संख्या में संक्रमण अगले हिस्से का प्रयोग करने वाले लोगों में मिला है। तो फिर इस भाग की सड़क को क्यों सील नहीं किया गया, इस सवाल का जवाब देने में भी तमाम अधिकारी असहज दिख रहे हैं। अब सवाल सिर्फ सतपाल महाराज व उनसे संबंधित लोगों के संक्रमण का नहीं, बल्कि उस पूरी म्युनिसिपल रोड का है, जो मुख्य गेट के आसपास रहते हैं।

नियमों के अनुसार म्युनिसिपल रोड के हिस्से को ही सील किया जाना चाहिए था। या तो अधिकारी दोनों सड़क को सील करते या फिर कम से कम मुख्य गेट वाले भाग को सील करने की जरूरत थी।

संक्षिप्त समाचार

पीपुल्स फोरम उत्तराखंड का धरना 20वें दिन भी जारी

संवाददाता देहरादून। श्रम कानूनों में संशोधन के विरोध में पीपुल्स फोरम उत्तराखंड का धरना आज 20वें दिन भी जारी रहा। यहां अजबपुर खुर्द स्थित सरस्वती विहार में पीपुल्स फोरम के संयोजक जयकृत कंडवाल ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार एवं भाजपा शासित राज्यों की सरकार के खिलाफ धरना दिया। इस अवसर पर जयकृत कंडवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार अपने विरुद्ध उठने वाली हर आवाज को दबाना चाहती है, इसी का परिणाम है कि सीएए व एनआरसी जैसी कई गलत नीतियों का सामाजिक कार्यकर्ताओं व जागरूक नागरिकों व सामाजिक संगठनों द्वारा विरोध किया गया।

बीर बहादुर का लंबी बीमारी के बाद देहांत

संवाददाता देहरादून। फुटबॉल के महान खिलाड़ी रहे बीर बहादुर का दून में लंबी बीमारी के बाद देहांत हो गया। उनके देहांत होने पर उत्तराखंड के पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी, वर्तमान राष्ट्रीय कोच और क्लास वन रेफरी विरेन्द्र सिंह रावत, उत्तराखंड फुटबाल रेफरी एसोसिएशन, देहरादून फुटबाल एकेडमी के समस्त पदाधिकारीयों, खिलाड़ी, कोच और रेफरी ने संवेदना व्यक्त किया। यहां जारी एक बयान में पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी वीरेन्द्र सिंह रावत ने कहा है कि बीर बहादुर की शिक्षा देहरादून के गढ़ी कैंट स्थिति गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज में हुई, वहीं 12वीं तक पढ़ाई की थी उसके बाद आर्मी के ईएमई में भर्ती हो गए थे वहीं से नैशनल खेले, फिर भारतीय टीम में भी खेले।

सेलाकुई में पुलिस पर पथराव मामले में यूपी के तीन आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता विकासनगर। सेलाकुई थाने की पुलिस पर पथराव करने और बाइक क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रहने वाले तीन श्रमिकों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने पथराव करने के साथ ही लोगों को उकसाया भी था। तीनों ही आरोपित अपने घर भागने की फिराक में थे, पुलिस ने उन्हें धूलकोट के जंगल से धर–दबोचा।

फिक्स्ड चार्ज किया गया माफ, तो हर माह 60 करोड़ की लगेगी चपत

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में बिजली के फिक्स्ड चार्ज खत्म करने की उद्योगों की मांग को माना गया तो इससे हर महीने तकरीबन 60 करोड़ और सालाना करीब 792 करोड़ का भार ऊर्जा निगम या सरकार पर पड़ेगा। फिलहाल निगम और राज्य सरकार दोनों ही इस मांग से सहमे हैं। मामले में निगाहें केंद्र सरकार पर टिकी हैं। केंद्र को भी राहत देने के लिए टैरिफ के मौजूदा नियमों में बदलाव करना होगा।

धन सिंह रावत को कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त करने की चर्चाएं, भाजपा ने किया खंडन

संवाददाता देहरादून। सोशल मीडिया में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ध्त करने की चर्चाओं का भाजपा ने खंडन किया है। वहीं, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री धन सिंह रावत ने फेसबुक पोस्ट के जरिये इन चर्चाओं को गलत है और बेहद ही निंदनीय बताया।

बता दें कि कोरोना पॉजिटिव पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बीते शुक्रवार कैबिनेट में शामिल होने की वजह से मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और तीन मंत्री मदन कौशिक, हरक सिंह रावत व सुबोध उनियाल सेल्फ क्वारंटाइन हैं। अलबत्ता कैबिनेट बैठक में शामिल रहे अधिकारी काबीना मंत्री सतपाल महाराज के क्लोज कॉन्टेक्ट में नहीं होने की वजह से कम रिस्क में हैं। पूरे देश में संभवतरू यह पहला मामला होगा, जब मुख्यमंत्री और तीन मंत्रियों को इस तरह सेल्फ क्वारंटाइन और एक मंत्री को पूरे परिवार समेत कोरोना पॉजीटिव होकर अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। वहीं, इस बीच सोशल मीडिया पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त करने के रूप में चर्चाओं का बाजार गरम हो गया। भाजपा ने प्रदेश में कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त करने संबंधी अफवाहों को विपक्ष के दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा बताया है।

मंत्री महाराज ने आरोग्य सेतु इस्तेमाल किया या नहीं?

आरोप

■ बार–बार आरोग्य सेतु की तारीफे करके लोगों को किया गुमराह

देहरादून। **संवाददाता**

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रवीन त्यागी टीटू ने आरोप लगाते हुए कहा है कि शायद उत्तराखण्ड के इतिहास में कोरोना वायरस कोविड–19 का प्रदेश का पहला रिकॉर्ड होगा जिसका श्रेय उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने अपनी सरकार में दर्ज करवा दिया है जिसकी मूक सहमति

महाराज और मदन कौशिक चर्चा के केंद्र

देहरादून। सचिवालय में 29 मई को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और मदन कौशिक के भाग लेने को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा का बाजार गरम है। सूत्रों के मुताबिक दोनों मंत्रियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कैबिनेट में शामिल होना था, मगर बाद में दोनों की देहरादून में मौजूदगी के मद्देनजर उन्हें बैठक में बुला लिया गया। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और मदन कौशिक पिछले कुछ दिनों से चर्चा के केंद्र में हैं। इसके पीछे दोनों की अलग–अलग वजह हैं।

प्रदेश के मुखिया की भी रही होगी। उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु का कैबिनेट मंत्री ने उपयोग किया है या नहीं।

यहां जारी एक बयान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव प्रवीन त्यागी टीटू ने उत्तराखण्ड सरकार पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि हालांकि भारत के 130 करोड़ की आबादी को बार–बार केंद्र राज्य बड़े बड़े विज्ञापन देकर और बार–बार आरोग्य सेतु की तारीफे करके गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब उत्तराखण्ड सरकार के नुमाइंदे सतपाल महाराज जैसे लोग अपने परिवार को ओर अपने सहयोगियो को लेकर कोरोना के खतरे से बेफिक्र होकर कैबिनेट की मीटिंग और गांव गांव घूमना भी सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने भी इस आरोग्य संतु एप्प का उपयोग किया होगा या नहीं, और यदि किया होगा तो उन्हें संक्रमित होने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली, यह भी सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि जनता में भय का माहौल है वह यह जानना चाहती है कि क्या सतपाल महाराज आरोग्य सेतु को इस्तेमाल नहीं कर रहे थे।

रेल कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया

संवाददाता देहरादून। आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के आह्वान पर केन्द्र सरकार की निजीकरण, निगमीकरण एवं जन विरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध दिवस देहरादून स्टेशन कार्यालय में मनाया गया और विरोध दर्ज किया गया। इस अवसर पर केन्द्र सरकार की दमनकारी, निजीकरण, निगमीकरण एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ ऑल इंडिया रेलवे मैन्स फैडरेशन के आह्वान पर शारीरिक दूरी का पालन करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ रेल विभाग के कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष उग्रसैन सिंह ने कहा कि इस अवसर पर कहा गया कि एक जून से छह जून तक विरोध दिवस मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि महंगाई भत्ता डीए, डीआर में बढ़ोत्तरी जारी रखी जाये तथा देय महंगाई भत्ते का शीघ्र भुगतान किया जाये, रेलवे में निजीकरण, निगमीकरण तथा श्रम कानूनों में संशोधन बंद किया जाये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।